देहरादून | शुक्रवार | 21 जनवरी 2011

अमर उजाला

अमर उजाला

जमा दिया रंग

तुलाज इंस्टीट्यूट में बृहस्पतिवार को अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में कवियों ने अपनी प्रस्तुतियों से रंग जमा दिया। सम्मेलन के दौरान प्रस्तुति देते विख्यात कवि अशोक चक्रधर। (संबंधित समाचार पेज 5 पर)

देहरादून

... ख्वाबों की दुनिया बिखर गई

तुलाज इंस्टीट्यूट में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन

अमर उजाला ब्यूरो

देहरादून। तुलाज इंस्टीट्यूट में आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में कवियों की प्रस्तुतियों ने रंग जमा दिया। हास्य, श्रृंगार और वीर रस की कविताओं का दौर चला तो इंस्टीट्यूट हॉल में बैठा हर व्यक्ति को ठहाके लगाने साथ-साथ प्रेम और देशभक्ति के रस से सराबोर दिखा।

गुरुवार को इंस्टीट्यूट में आयोजित अखिल भारतीय काव्य संध्या की शुरुआत प्रसिद्ध हास्य कवि डा. अशोक चक्रधर ने अपनी परंपरागत शैली से हटकर किया। आधुनिकता के साथ कम हो रहे सामाजिक मूल्यों का पाठ पढ़ाते हुए राजनीतिक व्यवस्था पर उन्होंने 'तू गर दरिंदा है तो ये मसान तेरा है, अगर परिंदा है तो ये आसमान तेरा है' कविता के माध्यम से करारा प्रहार किया। एजाज पापुलर ने 'अजब नहीं जो तुक्का भी तीर हो जाए, फटे जो दूध तो फिर वो पनीर हो जाए, मवालियों को न देखा करो

हिकारत से, न जाने कौन का गुंडा वज़ीर हो जाए' से राजनीति को निशाना बनाया। 'पकड़ा पुलिस ने ख्वाबों की दुनिया बिखर गई, डंडे दिए दिखाई जहां तक नजर गई, थाने में रह गई कि तेरे घर के सामने, मैं झुक कर ढूंढता हूं कि जवानी किधर गई' से माहौल को गुदगुदा दिया। वहीं वीर रस के कवि डा. सौरभ जैन सुमन ने 'वंदे मातरम नहीं विषय है विवाद का, से देशभक्ति का संदेश दिया।

प्रसिद्ध कवि नदीम 'शाद' ने अपने अंदाज में 'ले साकिया तेरे सागर को मारकर ठोकर, मैं जा रहा हूं तेरे दर को मारकर ठोकर, वो क्या रुकेगा भला चार बूंद की खातिर, जो आ रहा है समंदर को मार कर ठोकर' गजल से समा बांध दिया।

श्रृंगार रस की कवयित्री डा. सरिता शर्मा ने कविता 'लहर जैसी चपलता तो मुझमें भी है, अनकहीं एक विकलता तो मुझमें भी है, से माहौल को और रसमयी बना दिया। डा. अनामिका अंबर ने 'शाम भी खास है वक्त भी खास है, मुझको एहसास है, तुझको एहसास है, इससे ज्यादा हमको और क्या चाहिए, मैं तेरे पास हूं तू मेरे पास है' से माहौल को रंगीन बना दिया।

इससे पूर्व यूटीयू के कुलपति प्रो. डीएस चौहान ने संस्थान की छात्रा शुचि जैन को बीटेक परीक्षा में 85.16 अंकों के साथ यूनिवर्सिटी में तृतीय स्थान लाने पर पुरस्कृत किया। मौके पर तुलाज इंस्टीट्यूट के चेयरमैन सुनील कुमार जैन, डायरेक्टर एसके गुप्ता, संस्थान के एडवाइजर जीजी गर्ग, एक्जीक्यूटिव डाइरेक्टर सिल्की जैन मौजूद थे।